माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

(पुँवारका, सहारनपुर, उ0प्र0, पिन–247120)

website-msuniversity.ac.in E-mail id – ar @msuniversity.ac.in

पत्रांकः 576/ प्रशा0 / MSU / 2025–26 दिनांकः 20 / 06 / 2025

सेवा में,

1. प्राचार्य / प्राचार्या,
   समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
   माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर।

2. शैक्षणिक समन्वयक
   माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय,
   सहारनपुर।

विषयः– महाविद्यालयों के आस–पास एकत्र मनचलों से मिले निजात के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषय दै० अमर उजाला सहारनपुर समाचार पत्र के अंक दिनांक 05.06.2025 (संलग्नक) का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि दै० अमर उजाला सहारनपुर समाचार पत्र के अंक दिनांक 05.06.2025 में "कॉलेज के बाहर एकत्र मनचलों से मिले निजात" शीर्षक प्रकाशित किया गया हैं। जिसमें निम्नवत् टीप अंकित की गयी हैः– कॉलेजों के बाहर और रास्तों में छात्राओं के साथ छींटाकाशी, पीछा करने और फब्तियाँ कसने की घटनाओं की शिकायतें आम हैं। कई बार छात्राएं यह कहने से भी डरती है कि कहीं उन्हें कॉलेज आना बन्द न करना पडे। छात्रों की मांग है कि छुटी के समय कॉलेजों के बाहर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए और सी0सी0 टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं ताकि ऐसे असामाजिक तत्वों की पहचान और कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय परिसर तथा महाविद्यालय के आस–पास एकत्रित मनचलों की भीड़ को हटाने के लिए अपने स्तर से उचित कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः–यथोपरि।

भवदीय,

19-6-25

का0 कुलसचिव

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

01. कुलपति कार्यालय को मा0 कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
02. गार्ड फाईल।

सहा0 कुलसचिव

सहारनपुर जिले में उच्च शिक्षा के लिए अनेक शासकीय और निजी महाविद्यालयों के साथ-साथ हाल ही में स्थापित मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय (एमएसयू) एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। इस विश्वविद्यालय से करीब 216 कॉलेज संबद्ध हैं और करीब एक लाख 15 हजार छात्र-छात्राएं यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने की उम्मीद के साथ इन संस्थानों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को पढ़ाई के अलावा कई अन्य परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। यातायात की असुविधा, अनावश्यक फीस बढ़ोतरी, नशे का बढ़ता कारोबार, महिला सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं और छात्र संघ चुनाव न होने जैसी समस्याएं छात्रों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। छात्रों ने केवल समस्याएं गिनाई ही नहीं, बल्कि उनके सार्थक और व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए, जो प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देशक बन सकते हैं।

छात्र बोले

यातायात, फीस और सुरक्षा जैसी समस्याओं से जूझ रहे जिले के छात्र

शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। यह न केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम है, बल्कि सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करती है। शिक्षा से व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। यह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। हाल ही में स्थापित माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय (एमएसयू) एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। इस विश्वविद्यालय से करीब 216 कॉलेज संबद्ध हैं और करीब एक लाख 15 हजार छात्र-छात्राएं यहा शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए शहर से विश्वविद्यालय तक जाने के लिए उचित यातायात व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, जो की बहुत चिंता का विषय है, जिससे आए दिन विद्यार्थियों को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। छात्रों की मांग है कि घंटाघर से लेकर माता शाकंभरी विश्वविद्यालय से तक जाने के लिए विश्वविद्यालय स्पेशल बसें चलाई जाएं जिससे विद्यार्थियों के समय और धन दोनों को बचत हो सके। एक छात्र ने बताया कि सहारनपुर के अंतर्गत अनेक महाविद्यालय और विद्यालय के समीप नशीले पदार्थ बेचे जा रहे हैं, इनकी मांग है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए नशे के कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और नियमित रुप से जांच की जाए। एक छात्रा ने बताया कि जब महाविद्यालय और विद्यालयों की छुट्टी होती है तो उनके बाहर मनचले कॉलेज के पास छात्राओं को छेड़ने का काम करते हैं जो की एक गंभीर समस्या है। उन्होंने छात्राओं की सुरक्षा के लिए छुट्टी के दौरान विद्यालयों और महाविद्यालयों के बाहर महिला पुलिसकर्मी तैनात करने की मांग की। सहारनपुर के छात्र-छात्राएं सिर्फ किताबों और डिग्रियों तक सीमित नहीं रहना चाहते, वे सुरक्षित, सुगम और समर्थ शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षा करते हैं।

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में छात्रों की समस्याएं यदि समय रहते नहीं सुलझाई गईं, तो इसका सीधा प्रभाव उनके भविष्य और समाज पर पड़ेगा। प्रशासन, विश्वविद्यालय प्रबंधन और राज्य सरकार को चाहिए कि वह युवाओं की इन वास्तविक समस्याओं को गंभीरता से लेकर त्वरित और ठोस कार्रवाई करें। साथ ही, छात्रों को संवाद और सहभागिता का अवसर मिले, इसके लिए छात्र संघ चुनावों की बहाली आवश्यक है। आज जब देश युवा शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की बात कर रहा है, तब जरूरी है कि हम छात्रों की आवाज़ सुनें और उन्हें वह शैक्षिक वातावरण दें, जिसके वे हकदार हैं।

कंटेंट-मनोज नरुला/फोटो-एच.शंकर शुक्ल

एमएस कॉलेज में समय पर छात्र संघ के चुनाव कराने, कॉलेज के बाहर खड़े मनचलों पर कार्रवाई व समस्याओं को लेकर प्राचार्य का घेराव कर अपनी मांगों को रखते हुए छात्र। फाइल फोटो

216 कॉलेज एमएसयू से संबद्ध | **115000** विद्यार्थी विश्वविद्यालय के कॉलेजों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

मां शाकुम्भरी विवि तक पहुंचना बड़ी चुनौती

एमएसयू शहर के मुख्य हिस्से से दूरी पर स्थित है। घंटाघर, जनकपुरी, बेहट रोड, अंबाला रोड, देवीकुंड और अन्य क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के लिए कॉलेज पहुंचना एक रोजमर्रा की मुश्किल बन चुका है। ना तो विश्वविद्यालय के लिए कोई सीधी सरकारी बस सेवा उपलब्ध है और ना ही कॉलेज की ओर से कोई परिवहन सुविधा दी जाती है।

नशे के कारोबार से बिगड़ रहा शैक्षिक माहौल

सहारनपुर के कई कॉलेजों के आसपास नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है। कुछ अराजक तत्व कॉलेजों के बाहर गुटखा, बीड़ी, शराब अन्य मादक पदार्थों की बिक्री करते हैं। इससे न केवल वातावरण खराब होता है, युवाओं पर इसका गलत असर भी पड़ रहा है। छात्रों की मांग है कि पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

फीस बढ़ोतरी और मनमानी वसूली

बढ़ती शिक्षा लागत छात्रों और अभिभावकों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। कई निजी संस्थानों और कुछ संबद्ध महाविद्यालयों में बिना पूर्व सूचना के फीस बढ़ा दी जाती है या 'अन्य शुल्क' के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है। सुझाव है कि फीस संरचना को पारदर्शी बनाए और कोई भी नई वसूली छात्रों की सहमति या शासन की अनुमति के बिना न की जाए। साथ ही, मनमानी फीस वसूलने वाले संस्थानों पर कार्रवाई हो।

कॉलेज के बाहर एकत्र मनचलों से मिले निजात

कॉलेजों के बाहर और रास्तों में छात्राओं के साथ छींटाकशी, पीछा करने और फब्तियाँ कसने की घटनाओं की शिकायतें आम हैं। कई बार छात्राएं यह कहने से भी डरती हैं कि कहीं उन्हें कॉलेज आना बंद न करना पड़े। छात्रों की मांग है कि छुट्टी के समय कॉलेजों के बाहर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं ताकि ऐसे असामाजिक तत्वों की पहचान और कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

छात्र संघ चुनाव का प्राथमिकता से कराएं

सहारनपुर के कॉलेजों में पिछले आठ वर्ष से छात्र संघ चुनाव नहीं कराए गए हैं। इससे छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज दब गई है। किसी भी समस्या को उठाने और प्रशासन तक पहुंचाने का कोई प्रभावशाली माध्यम मौजूद नहीं है। छात्रों का सुझाव है कि हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव नियमित रूप से कराए जाएं ताकि एक लोकतांत्रिक प्रतिनिधि प्रणाली के तहत छात्र अपनी मांगें उठा सकें।

Scanned with OKEN Scanner